धारा 111-128 LRAct

कार्यालय उपखण्ड अधिकारी, डूंगरपुर

मिसल नं0 203/18

दिनांक:– 21-5-2018

:: निर्णय ::

प्रार्थी श्री ....

जति......... उम्र ....नि0..........बोरी...........तहसील डूंगरपुर ने न्याय आपके द्वार अभियान 2018 लोक अदाजत बोरी..... दिनांक ....को इस आशय का एक प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111, 128 ले0रे0एक्ट के तहत प्रस्तुत कर निवेदन किया की मौजा ....बोरी.......... में स्थित खाता संख्या 433 पर आराजी नं0 ...1281/1........................... कुल ...01.....बीघा. ...09.....बिस्वा किता ...1.......योग रकबा ...1-09...........पर प्रार्थी मालिक काबिज होकर कृषि काश्त करता आ रहा है और अप्रार्थीगण से आये दिन सीमा (हेडे, पारी) की बात को लेकर विवाद होता है। करते है और लडाई झगडा करते है। इस वजह से प्रार्थी अपनी उक्त आराजी पर पत्थरगढी कराना चाहता है। जिस पर प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया गया। उक्त प्रार्थना पत्र के साथ अप्रार्थी....................... नि0.....बोरी.........ने भी पत्थरगढी करने की सहमति दी है। प्रार्थी ने प्रार्थना पत्र के साथ ग्राम ....बोरी...................की जमाबंदी सम्वत् 2072-75 की प्रमाणित प्रति भी संलग्न की है।

पत्रावली का गहन अवलोकन किया गया। पत्रावली पर प्रार्थी द्वारा नक्शा ट्रेस एवं जमाबंदी प्रस्तुत की गई जिसके अनुसार प्रार्थी खातेदार काश्तकार है और विपक्षीगणों द्वारा किसी प्रकार का कोई विरोध नही किया गया एवं सहमति प्रदान की गई है। इस प्रकार मौजा ....बोरी........में स्थित खाता संख्या ....433.... पर आराजी नं.0....1281/1..... रकबा ....01 बीघा 09 बिस्वा.....कुल किता 1 ....कुल रकबा ...1-09 बीघा......की पत्थर गढी कराने का हकदार है।

लिहाजा मौजा .....बोरी..............मे स्थित खाता संख्या ....433..... पर आराजी नं.0....1281/1 .... रकबा ....01 बीघा 09 बिस्वा....कुल किता .....1.........कुल रकबा .....1-09.........की पत्थरगढी किये जाने के आदेश दिये जाते है। तहसीलदा, डूंगरपुर भू0अ0 निरीक्षक............ के नैतृत्व में टीम गठीत कर बिना किसी अन्य खातेदार के खाते को डिर्स्टब किये पत्थर गढी की जावे। तहसीलदार, डूंगरपुर को तहरीर जारी हो पत्थरगढी शुल्क रू0 ....500/-.... प्रार्थी स्वंय राजकोष में जमा करावे तभी पत्थरगढी की जावे। पत्रावली फैसल में शुमार होकर नम्बर से कम हो।

उपखण्ड अधिकारी

डूंगरपुर